Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 10

विद्रोही और राज

भाग - 6

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. बहुत सारे स्थानों पर विद्रोही सिपाहियों ने नेतृत्व संभालने के लिए पुराने शासकों से क्यों आग्रह किया ?

1857 की महान क्रांति

↓

भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

↓

तात्कालिक कारण – चर्बी वाले कारतूस

(एनफील्ड रायफल)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1857 → सैनिक

लोगों

भेदभाव

नेता ?

नेतृत्व का अभाव

राजा

नवाब

EIC

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : अंग्रेजों का सामना करने के लिए योग्य नेतृत्व और संगठन की आवश्यकता थी। योग्य नेतृत्व और संगठन के बिना विद्रोह का कुशलता पूर्वक संचालन नहीं किया जा सकता था।

विद्रोही सिपाहियों ने पुराने शासकों से नेतृत्व स्वीकार करने का आग्रह निम्नलिखित कारणों से किया –

राजा, नवाब

1. विद्रोही सिपाही भारत से ब्रिटिश सत्ता को समाप्त करके देश में 18वीं शताब्दी से पूर्व की भारतीय व्यवस्था की पुनर्स्थापना करना चाहते थे।

2. पुराने शासकों को विद्रोह का नेतृत्व प्रदान करके इसे विद्रोह को एक व्यापक जन विद्रोह बनाना चाहते थे।

3. पुराने शासकों को नेतृत्व और संगठन के क्षेत्र में अच्छा अनुभव था।

4. ब्रिटिश शासकों ने भारतीय राजघरानों का अपमान किया था और जन साधारण को अपने पुराने शासकों से पर्याप्त लगाव था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. उन साक्ष्यों के बारे में चर्चा कीजिए जिनसे पता चलता है कि विद्रोही योजनाबद्ध और समन्वित ढंग से काम कर रहे थे?

"संचार के माध्यम"

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

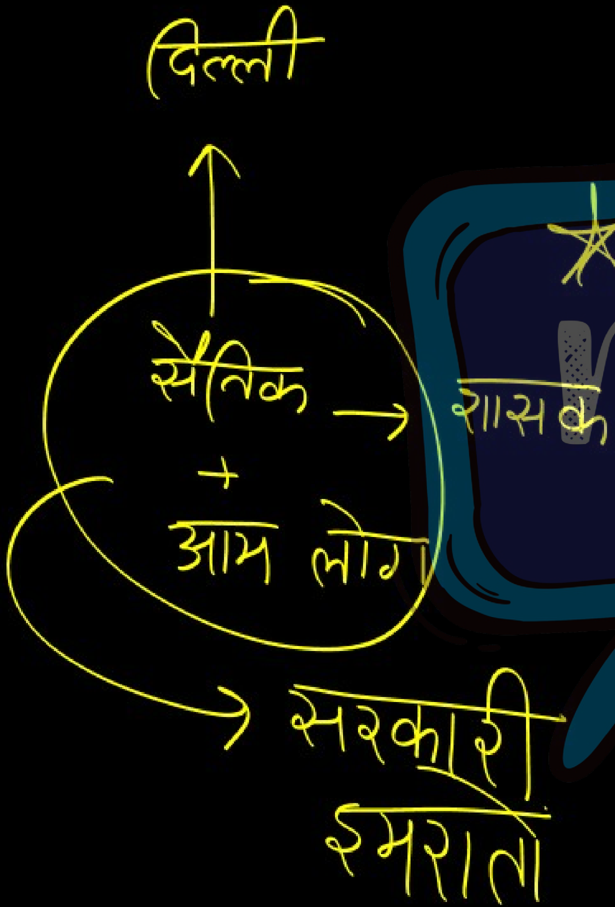

उत्तर : इस बारे में जानने के लिए हमारे पास पर्याप्त दस्तावेज और प्रमाण नहीं है लेकिन फिर भी निम्न साक्ष्यों के आधार पर हम कह सकते हैं कि यह विद्रोह योजनाबद्ध तरीके से किया गया था –

1. प्रत्येक स्थान पर विद्रोह का घटनाक्रम लगभग एक जैसा था।
2. विभिन्न सैनिक छावनियों के मध्य संचार के साधन विद्यमान थे।

कमल = रोटी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. समकालीन साक्ष्यों के आधार पर रात के समय कानपुर सिपाही लाइनों में सैनिकों की सामूहिक पंचायतें होती थी और सामूहिक निर्णय लिये जाते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1857 विद्रोह

धार्मिक + सामाजिक → भेदभाव

1. ईसाई मिशनरी → धर्मान्तरण
2. पैतृक सं०
3. धर्म सुधार
4. बंदूक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की अहम् भूमिका थी–

1. बैरकपुर में विद्रोह की प्रथम चिंगारी धार्मिक कारणों से ही भड़की थी। जब मंगल पाण्डे ने गाय व सुअर की चर्बी युक्त कारतूसों को छूने से इनकार कर दिया था।

2. मेरठ छावनी में भी 10 मई, 1857 को कमोबेश इसी कारण विद्रोह प्रारम्भ हुआ जब अंग्रेज अधिकारियों ने भारतीय सैनिकों को चर्बी लिपटे कारतूसों को मुंह से खेलने के लिए मजबूर किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. हिंदू और मुस्लमान सभी सैनिक अपने धर्म को भ्रष्ट होने से बचाने के तर्क के साथ दिल्ली में आये थे।
4. आमजन को विद्रोह में शामिल करने के लिए कई तरह की धार्मिक अफवाहें फैलाई जा रही थी, और लोग अफवाहों पर आसानी से विश्वास भी कर रहे थे।
5. लोगों में यह डर फैल गया था कि अंग्रेज हिन्दुस्तानियों को ईसाई बनाना चाहते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गये थे ?

आदेश → ज़फर

(1) मुहम्मद और महावीर

(2) नफा नुकसान

(3) सभी वर्गों

राजा / नवाब

जमींदार

किसान

मध्यम

गरीब

नौकरी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए निम्न तरीके अपनाये गये –

1. कारतूसों में गाय व सुअर की चर्बी या आटे में गाय व सुअर की हड्डियों का चूरा मिला होने की खबरें फैली। इन अफवाहों में गाय व सुअर शब्द एक साथ इस्तेमाल किया गया जिससे कि हिन्दु व मुसलमान दोनों में एकता बनी रहे और यह दिखाने का प्रयास किया गया किया गया कि इस युद्ध में हिन्दुओं और मुसलमानों दोनों का नफा–नुकसान बराबर है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2. हिन्दु और मुसलमानों ने मिलकर मुगल बादशाह को नेतृत्व स्वीकार करने के लिए सहमत किया ताकि विद्रोह को वैद्यता प्राप्त हो सके।
3. विद्रोहियों ने दोनों समुदायों में लोकप्रिय भाषाओं हिंदी, उर्दू और फारसी में अपीलें जारी की।
4. बादशाह के नाम से जारी की गयी घोषणा को मुहम्मद और महावीर दोनों की दुहाई देते हुए जनता से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. पुलिस लाइनों में रात में पंचायतें होती थी और विद्रोहियों के द्वारा सामूहिक रूप से फ़ैसले लिये जाते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोह

1. उत्तर भारत = मार्शल लॉ
2. विद्रोही → शक → सज़ा ए मौत
3. दिल्ली → सांकेतिक
4. आम अंग्रेज → मुकदमा कलकत्ता
5. गाँव → गाँव

पंजाब → दिल्ली

कलकत्ता → दिल्ली

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये –

1. कानून और मुकदमों की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी। ब्रिटिश सैनिक कमाण्डर ही विद्रोही को सजा तय कर देते थे।

   विद्रोही की एक ही सजा होती थी –

   सजा–ए–मौत

2. समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. ब्रिटेन से हथियारों से लैंस नयी सैन्य टुकड़ियां बुलवायी गयी।

4. अंग्रेजों ने दिल्ली के सांकेतिक महत्व को समझते हुए दिल्ली पर दोतरफा हमला बोला। एक कोलकाता की ओर से और दूसरा पंजाब की ओर से।

5. अंग्रेजों ने कूटनीति का सहारा लेकर शिक्षित वर्ग और जमींदारों को विद्रोह से दूर रखा।

6. अंग्रेजों ने संचार के साधनों पर अपना पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्यों अवध ?

1) सामरिक महत्व
2) कृषि
3) बाजार

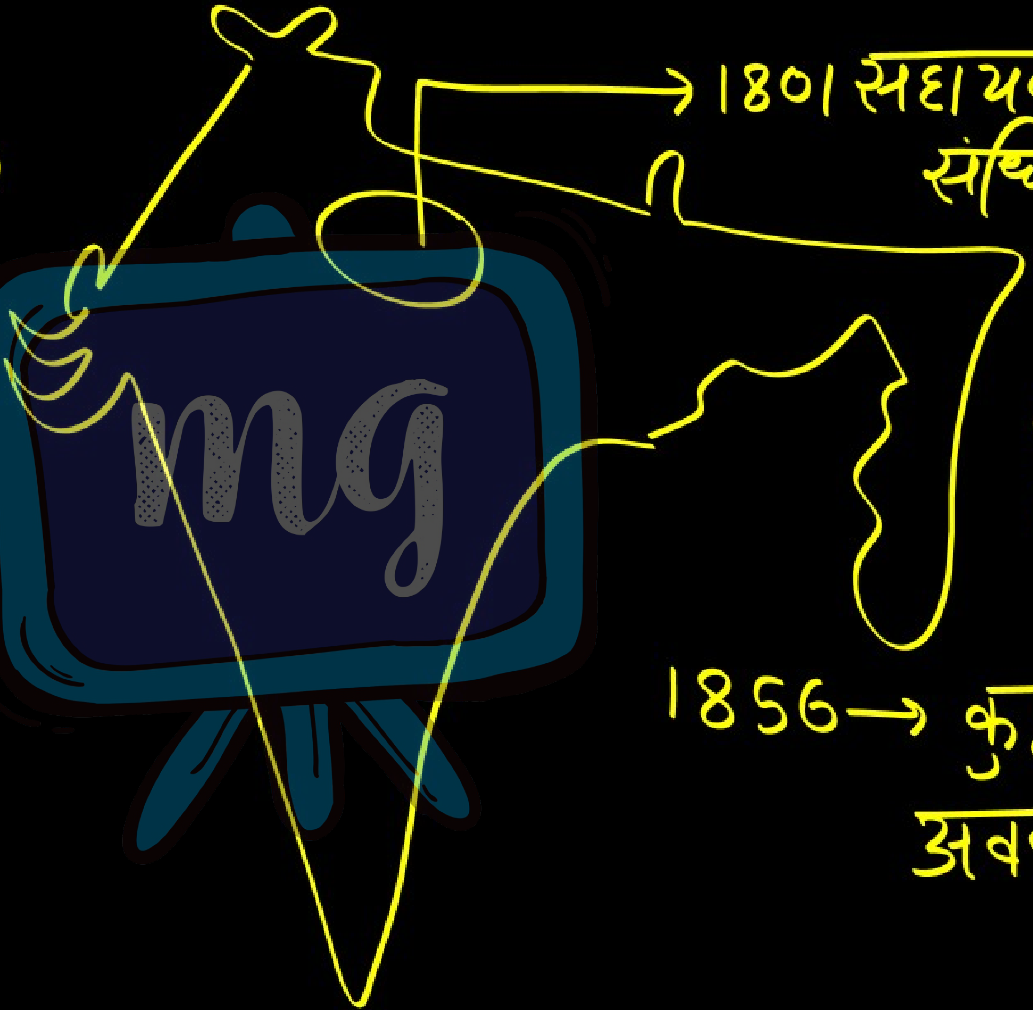

1801 सहायक संधि → नवाब कमज़ोर

1856 → कुप्रशासन अवध

Under CSR Support by ipca Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

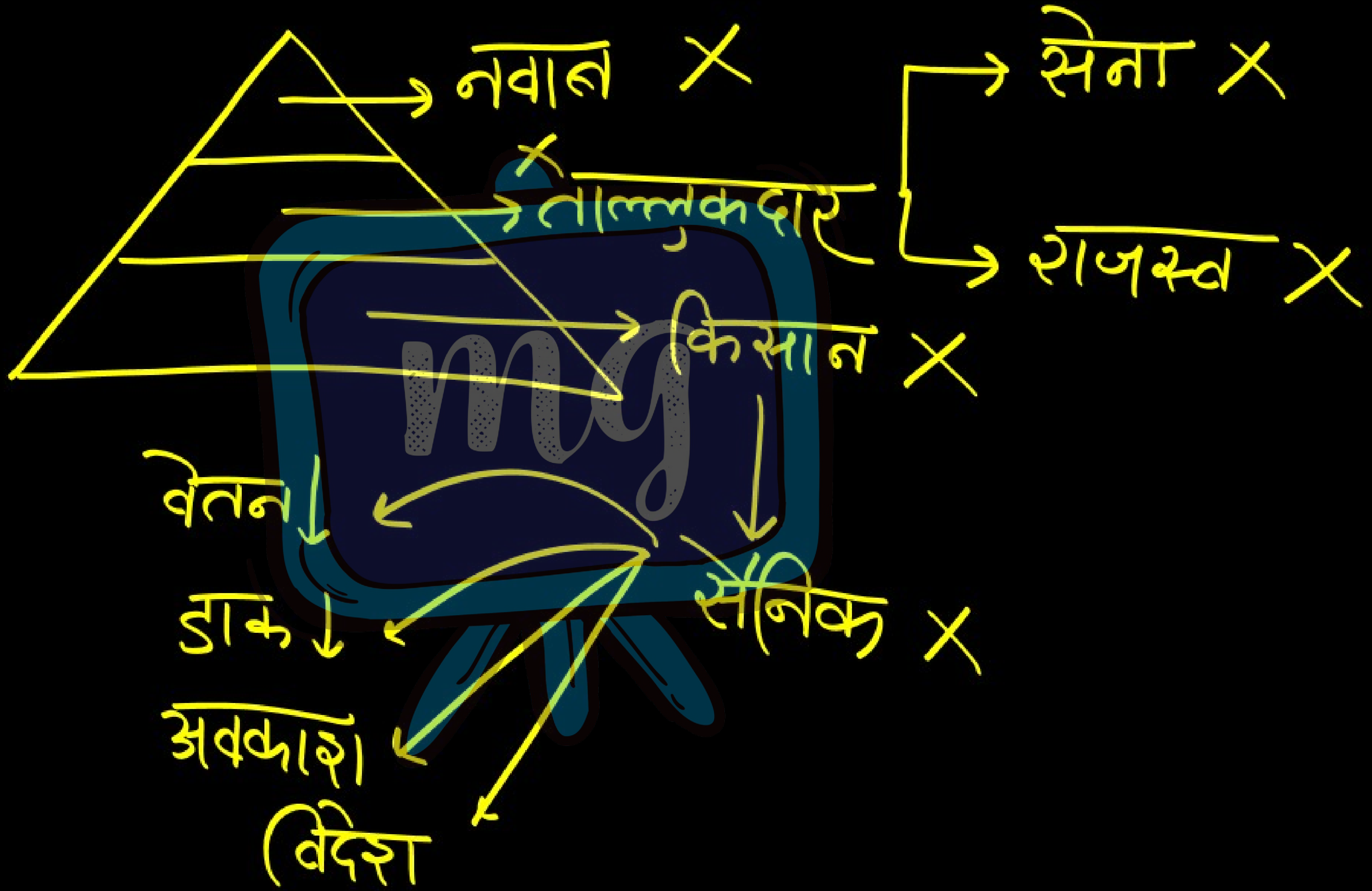

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. अवध में विद्रोह इतना व्यापक क्यों था? किसान, ताल्लुकदार और जमींदार उसमें क्यों शामिल हुए।

1856 ई. में लार्ड डलहौजी के द्वारा कुशासन का आरोप लगाकर अवध का अधिग्रहण कर लिया गया था।

नवाब – वाजिद अलीशाह

विद्रोहियों का नेतृत्व – बेगम हजरत महल

पुत्र – बिरजिस कद्र

✍ अवध में अंग्रेजों द्वारा पुरानी व्यवस्था को समाप्त करके नई व्यवस्था लागू की गयी थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर : अवध का विद्रोह अधिक व्यापक होने के निम्न कारण थे –

1. किसानों, ताल्लुकदारों और जमींदारों सभी ने विद्रोह में भाग लिया और बेगम हजरत महल की मदद की।

2. ब्रिटिश भू-राजस्व के 'एकमुश्त बन्दोबस्त' के लागू होने के बाद ताल्लुकदारों को केवल बिचौलिया अथवा मध्यस्थ माना गया उनके जमीन पर मालिकाना हक समाप्त कर दिये गये।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. ताल्लुकदारों को उनकी सत्ता से वंचित कर दिये जाने के कारण एक संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था नष्ट हो गयी।

4. अवध के अधिग्रहण के बाद अंग्रेजों द्वारा किसानों से मनमाना राजस्व वसूल किया जाने लगा।

5. ब्रिटिश बंगाल सेना में सर्वाधिक सिपाही अवध से भर्ती किये गये थे और सिपाही भी किसान परिवार से ही संबंधित थे।